

Slide 1

**THE BIBLE AND VOTING**  
Part 10

The image shows a close-up of the opening words of the United States Constitution, "We the People", written in elegant cursive on aged parchment. A quill pen lies across the document.

Dr. Andy Woods

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 2

**Introductory Remarks**

- A stewardship issue (1 Cor. 4:2)
- A biblical issue (2 Tim. 3:16)
- Biblical principles rather than partisanship

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 3

**The Bible and Voting**

1. Economic issues
2. Social issues
3. Foreign affairs

The image shows a close-up of the opening words of the United States Constitution, "We the People", written in elegant cursive on aged parchment. A quill pen lies across the document.

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 4

**The Bible and Voting**

1. **Economic issues**
2. Social issues
3. Foreign affairs




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

**Economic Issues**

1. Ownership of private property? (Deut. 19:15)
2. Pursuit of economic self interest? (Gen. 8:21)
3. Proper definition of compassion? (2 Thess. 3:10)
4. Who provides charity? (1 Tim. 5:3-8)
5. Family is the building block of society? (Deut. 6:6-7)
6. Wealth retained within the family? (Prov. 13:22)
7. The earth experiences cyclical patterns? (Gen. 8:22)
8. Environmental stewardship rather than earth worship? (Rom. 1:22-23)
9. Opposition to runaway debt? (Prov. 22:7)
10. Limitations upon the government? (Acts 5:29)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 6

**The Bible and Voting**

1. Economic issues
2. **Social issues**
3. Foreign affairs




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

**Social Issues**

1. Legal protection for the unborn? (Gen. 25:23)
2. Legal protection for the elderly? (Lev. 19:32)
3. Hetero-sexual monogamous marriage as the standard for society? (Gen. 2:18-25)
4. Advocacy capital punishment? (Gen. 9:6)
5. The right to restrict alcohol, pornography, & gambling? (Lev. 10:9; Matt. 5:27-28; Prov. 13:11)
6. Parental authority over children? (Eph. 6:4)
7. Public expressions of Christianity? (Mark 16:15)
8. Right to keep and bear arms? (Luke 22:36)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 8

**The Bible and Voting**

1. Economic issues
2. Social issues
3. Foreign affairs




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 9

**Foreign Affairs**

1. Favor national sovereignty above global governance? (Gen. 11:1-9)
2. Favor the reality and enforceability of our national borders? (Acts 17:26)
3. Support for the nation of Israel? (Gen. 12:3)
4. Pursuit of peace though strength? (Jer. 17:9)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 10

**Foreign Affairs**

1. **Favor national sovereignty above global governance? (Gen. 11:1-9)**
2. Favor the reality and enforceability of our national borders? (Acts 17:26)
3. Support for the nation of Israel? (Gen. 12:3)
4. Pursuit of peace though strength? (Jer. 17:9)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11

**Foreign Affairs**

1. Favor national sovereignty above global governance? (Gen. 11:1-9)
2. **Favor the reality and enforceability of our national borders? (Acts 17:26)**
3. Support for the nation of Israel? (Gen. 12:3)
4. Pursuit of peace though strength? (Jer. 17:9)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12

**Foreign Affairs**

1. Favor national sovereignty above global governance? (Gen. 11:1-9)
2. Favor the reality and enforceability of our national borders? (Acts 17:26)
3. **Support for the nation of Israel? (Gen. 12:3)**
4. Pursuit of peace though strength? (Jer. 17:9)

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

**Overview**

- I. The Divine **Purpose** for Israel
- II. The Divine **Protection** of Israel
- III. The Proper **Perspective** Concerning Israel



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 14

**Overview**

- I. The Divine **Purpose** for Israel
- II. The Divine **Protection** of Israel
- III. The Proper **Perspective** Concerning Israel



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 15

**Genesis 3:15**

“And I will put enmity between you and the woman, and between your seed and her seed; He shall bruise you on the head, and you shall bruise him on the heel.” (NASB)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 16

**Genesis 11:1-4**

<sup>1</sup> Now the whole earth used the same language and the same words. <sup>2</sup> It came about as they journeyed east, that they found a plain in the land of Shinar and settled there. <sup>3</sup> They said to one another, "Come, let us make bricks and burn them thoroughly." And they used brick for stone, and they used tar for mortar. <sup>4</sup> They said, "Come, let us build for ourselves a city, and a tower whose top will reach into heaven, and let us make for ourselves a name, otherwise we will be scattered abroad over the face of the whole earth."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 17

	Mother	Child
Assyria	Ishtar	Tammuz
Phoenicia	Astarte	Baal
Egypt	Isis	Osirus/Horus
Greece	Aphrodite	Eros
Rome	Venus	Cupid
Asia	Cybele	Desius
India	Isi	Iswara

Alexander Hislop, The Two Babylons; or, the Papal Worship Proved to be the Worship of Nimrod and His Wife, 2nd American ed. (Edinburgh: Wood, 1862; reprint, New York: Loizeaux, 1959).

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 18

**Isaiah 43:1 (NASB)**

"But now, thus says the LORD, your Creator, O Jacob, And He who formed you, O Israel, 'Do not fear, for I have redeemed you; I have called you by name; you are Mine!'"



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 19

**From Adam to Abraham**

- Gen 3:15
- Gen 5:1 (Adam) to Gen. 5:28-29, 32 (Noah)
- Gen 6:9
- Gen 7:1
- Gen 9:26
- Gen 11:10 (Shem) to Gen 11:32 (Terah)



---

---

---

---

---

---

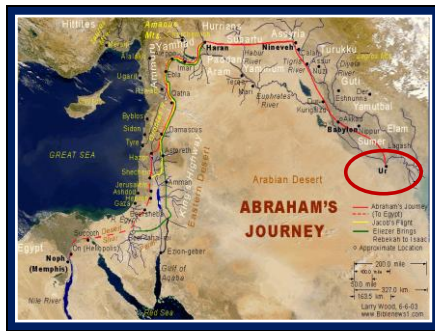
---

---

---

---

Slide 20



---

---

---

---

---

---

---

---

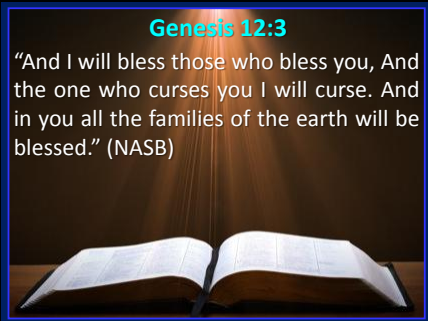
---

---

Slide 21

**Genesis 12:3**

“And I will bless those who bless you, And the one who curses you I will curse. And in you all the families of the earth will be blessed.” (NASB)



---

---

---

---

---

---

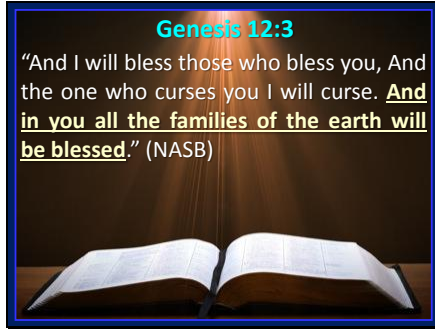
---

---

---

---

Slide 22



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 23



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 24



---

---

---

---

---

---

---

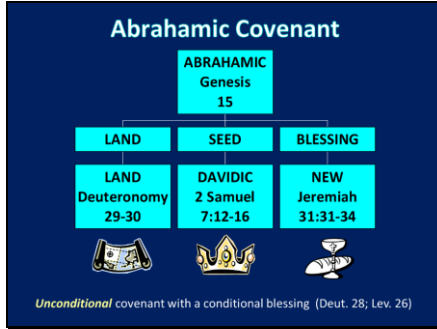
---

---

---



Slide 25



---

---

---

---

---

---

---

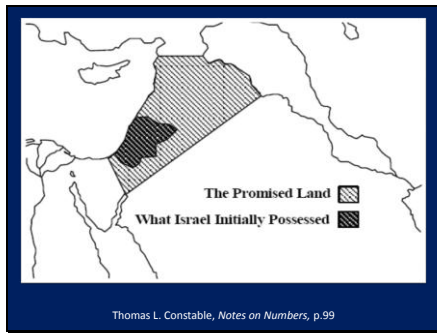
---

---

---

---

Slide 26



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 27

#### Jeremiah 31:35-37

Thus says the LORD, Who gives the sun for light by day And the fixed order of the moon and the stars for light by night, Who stirs up the sea so that its waves roar; The LORD of hosts is His name:<sup>36</sup> "If this fixed order departs From before Me," declares the LORD, "Then the offspring of Israel also will cease From being a nation before Me forever."<sup>37</sup> Thus says the LORD, "If the heavens above can be measured And the foundations of the earth searched out below, Then I will also cast off all the offspring of Israel For all that they have done," declares the LORD.



---

---

---

---

---

---

---

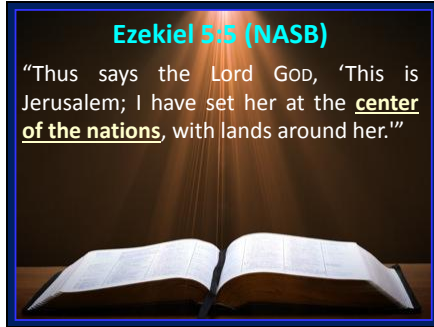
---

---

---

---

Slide 28



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 29



---

---

---

---

---

---

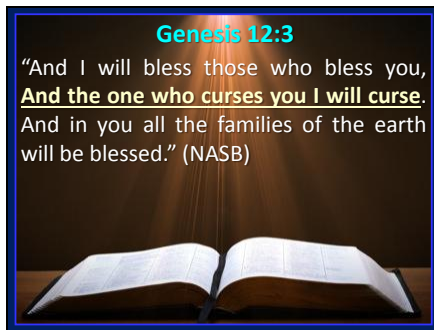
---

---

---

---

Slide 30



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 31

**Zechariah 2:8**  
"For thus says the LORD of hosts, "After glory He has sent me against the nations which plunder you, for he who touches you, touches the apple of His eye."



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 32

**Genesis 12:3**  
"And I will bless those who bless you,  
And the one who curses you I will curse.  
And in you all the families of the earth  
will be blessed." (NASB)



---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 33



**Letter to the Hebrew Congregation  
of Newport, Rhode Island**  
August 18, 1790 George Washington

"I rejoice in the opportunity of assuring you, that I shall always retain a grateful remembrance of the cordial welcome I experienced in my visit to Newport...the Government of the United States, which gives to bigotry no sanction, to persecution no assistance...May the Children of the Stock of Abraham, who dwell in this land, continue to merit and enjoy the good will of the other Inhabitants; while every one shall sit in safety under his own vine and fig tree, and there shall be none to make him afraid."

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34

**Overview**

- I. The Divine **Purpose** for Israel
- II. The Divine **Protection** of Israel
- III. The Proper **Perspective** Concerning Israel



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 35

**III. The Proper Perspective Concerning Israel**

- A. Attitude
- B. Angelic conflict
- C. Apostate condition?
- D. Practical reasons



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 36

**III. The Proper Perspective Concerning Israel**

- A. Attitude
- B. Angelic conflict
- C. Apostate condition?
- D. Practical reasons



---

---

---

---

---

---

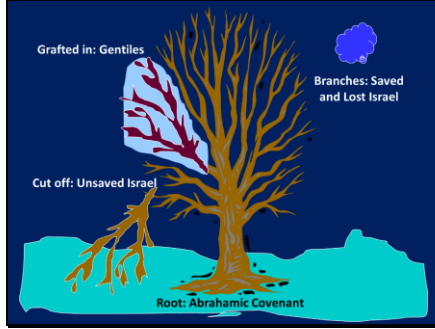
---

---

---

---

Slide 37



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 38

**Christian Anti-Semitism**

“First, their synagogues should be set on fire...Secondly, their homes should likewise be broken down and destroyed...Thirdly, they should be deprived of their prayer books and Talmuds...”

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 39

**Christian Anti-Semitism**

“...Fourthly, their rabbis must be forbidden under threat of death to teach any more...Fifthly, passport and traveling privileges should be absolutely forbidden to the Jews...Sixthly, they ought to be stopped from usury (charging interest on loans...”

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 43

**Biblical Reality of the Angelic World**

- Job 1:12
- 2 Kings 6:15-17
- 1 Chron 21:1
- Dan 10:12-13, 20
- Matt 16:21-23
- Eph 6:12



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

**Revelation 12:1-5**

<sup>1</sup>And a great sign appeared in heaven: a woman clothed in the sun, and the moon under her feet, and upon her head a crown of twelve stars; <sup>2</sup>and she was with child; and she cried out, being in labor pain to give birth. <sup>3</sup>And another sign was seen in heaven: and behold, a great red dragon, having seven heads and ten horns, and upon his heads seven diadems. (NASV 1995)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 45

**Revelation 12:1-5 (cont'd)**

<sup>4</sup>And his tail swept a third part of the stars of heaven, and did cast them to the earth: and the dragon stood before the woman that is about to give birth, so that when she gave birth he may devour her child. <sup>5</sup>And she gave birth to a son, a man child, who is to rule all the nations with a rod of iron: and her child was caught up unto God, and to his throne. (NASV 1995)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 46

**Revelation: 12 Symbols**

- Son = Messiah (Rev 12:5; Ps. 2:9; Acts 1:9)
- Dragon = Satan (Rev 12:3, 9)
- Woman = Israel (Rev 12:1; Gen 37:9-10)

---

---

---

---

---

---



---

---

Slide 47

**Genesis 37:9**

Now he had still another dream, and related it to his brothers, and said, "Lo, I have had still another dream; and behold, the sun and the moon and eleven stars were bowing down to me.


---

---

---

---

---

---



---

---

Slide 48

**Genesis 37:10**

He related it to his father and to his brothers; and his father rebuked him and said to him, "What is this dream that you have had? Shall I and your mother and your brothers actually come to bow ourselves down before you to the ground?"


---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 49

**Genesis 37:9-10**



Sun = Jacob  
Moon = Leah  
11 Stars = Joseph's brothers  
12<sup>th</sup> Star = Joseph  
12 Stars = Israel's twelve tribes

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 50

**2 CYCLES OF SATANIC PERSECUTION**  
(Revelation 12:13-16)



1. *"Pursues the woman"* = persecution of Israel 12:13-14
2. *"Flood from his mouth"* = tries to destroy Israel 12:15-16

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 51

**Descriptions of Satanic Hatred**  
(Revelation 12:12-17)

- Wrath 12:12
- Persecution 12:13
- Sweep away 12:15
- Enraged 12:17
- War 12:17



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 52

**Matthew 23:37-39**

"Jerusalem, Jerusalem, who kills the prophets and stones those who are sent to her! How often I wanted to gather your children together, the way a hen gathers her chicks under her wings, and you were unwilling. <sup>38</sup> Behold, your house is being left to you desolate! <sup>39</sup> For I say to you, from now on you will not see Me until you say, 'BLESSED IS HE WHO COMES IN THE NAME OF THE LORD!'"



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 53

**III. The Proper Perspective Concerning Israel**

- A. Attitude
- B. Angelic conflict
- C. Apostate condition?
- D. Practical reasons



---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 54



"But I and every other completely orthodox Christian feel certain that there will be a resurrection of the flesh, followed by a thousand years in the rebuilt, embellished, and enlarged city of Jerusalem as was announced by the prophets Ezekiel, Isaiah, and the others."

Justin Martyr, *Dialogue with Trypho*, 80.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 55



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 56

**Ezekiel 36:24-28**

"For I will take you from the nations, gather you from all the lands and bring you into your own land. <sup>25</sup>Then I will sprinkle clean water on you, and you will be clean; I will cleanse you from all your filthiness and from all your idols. <sup>26</sup>Moreover, I will give you a new heart and put a new spirit within you; and I will remove the heart of stone from your flesh and give you a heart of flesh. <sup>27</sup>I will put My Spirit within you and cause you to walk in My statutes, and you will be careful to observe My ordinances. <sup>28</sup>You will live in the land that I gave to your forefathers; so you will be My people, and I will be your God."

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

**Ezekiel 37:7-11**

So I prophesied as I was commanded; and as I prophesied, there was a noise, and behold, a rattling; and the bones came together, bone to its bone. <sup>8</sup>And I looked, and behold, sinews were on them, and flesh grew and skin covered them; but there was no breath in them. <sup>9</sup>Then He said to me, "Prophesy to the breath, prophesy, son of man, and say to the breath, 'Thus says the Lord GOD, 'Come from the four winds, O breath, and breathe on these slain, that they come to life.'"<sup>10</sup> So I prophesied as He commanded me, and the breath came into them, and they came to life and stood on their feet, an exceedingly great army. <sup>11</sup>Then He said to me, "Son of man, these bones are the whole house of Israel; behold, they say, 'Our bones are dried up and our hope has perished. We are completely cut off.'"

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 58

**Zechariah 12:10**

**"I will pour out on the house of David and on the inhabitants of Jerusalem, the Spirit of grace and of supplication, so that they will look on Me whom they have pierced; and they will mourn for Him, as one mourns for an only son, and they will weep bitterly over Him like the bitter weeping over a firstborn."**




---



---



---



---



---



---



---



---




---



---

Slide 59

**John Walvoord**  
*Israel in Prophecy, Page 26*



**"Of the many peculiar phenomena which characterize the present generation, few events can claim equal significance as far as Biblical prophecy is concerned with that of the return of Israel to their land. It constitutes a preparation for the end of the age, the setting for the coming of the Lord for His church, and the fulfillment of Israel's prophetic destiny."**

---



---



---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 60

<b>Israel's Two Regatherings</b>	
<b>THE PRESENT (FIRST) REGATHERING</b>	<b>THE PERMANENT (SECOND) REGATHERING</b>
Return to part of the land	Return to all the land
Return in unbelief	Return in faith
Restored to the land only	Restored to the land and the Lord
Sets the stage for Tribulation (discipline)	Sets the stage for Millennium (blessing)

Adapted from: Price, *Jerusalem In Prophecy*, 219

---



---



---



---



---



---



---



---



---



---



Slide 64




---



---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 65




---



---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 66




---



---



---



---



---



---



---



---



---



Slide 70



---

---

---

---

---

---

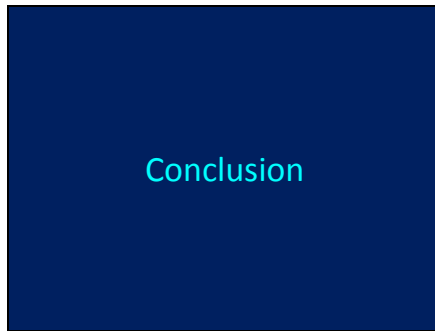
---

---

---

---

Slide 71



---

---

---

---

---

---

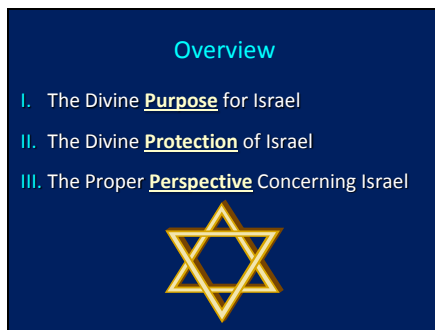
---

---

---

---

Slide 72



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



# Why Christians Support for Israel

## 1. The Divine Purpose for Israel

Isaiah 43:1-But now, thus says the LORD, your **Creator**, O Jacob, And He who formed you, O Israel, “Do not fear, for I have redeemed you; I have called you by name; you are Mine!

Isaiah 43:15-I am the LORD, your Holy One, The **Creator** of Israel, your King.

Ezek 5:5-Thus says the Lord <sup>[f]</sup>GOD, ‘This is Jerusalem; I have set her **at the center of the nations**, with lands around her.’

Ezek 38:12-to capture spoil and to seize plunder, to turn your hand against the waste places which are *now* inhabited, and against the people who are gathered from the nations, who have acquired cattle and goods, **who live at the <sup>[k]</sup>center of the world**.

The Hebrew word translated "center" is literally the **navel** or belly button, which refers to the center of the body.

## 2. The Divine Protection of Israel

Gen 12:3-And I will bless those who bless you, And the one who curses you I will curse.

Zech. 2:8- For thus says the LORD of hosts, “After <sup>[e]</sup>glory He has sent me against the nations which plunder you, **for he who touches you, touches the apple of His eye**.

On August 18, 1790, congregants of the Touro Synagogue of Newport, Rhode Island, warmly welcomed [George Washington](#)

to both their place of worship and their city. Washington's letter of response to the synagogue, delivered on the same day, has become famous for reinforcing the ideal of religious liberty in American life...From its publication to the present, Washington's letter has remained a touchstone of American Jewish life. More than one historian has described the letter as the single most important document in American Jewish history...Its words have been cited by Supreme Court justices in at least three religious liberty cases.

**Letter to the Hebrew Congregation of Newport, Rhode Island** *August 18, 1790*

"I rejoice in the opportunity of assuring you, that I shall always retain a grateful remembrance of the cordial welcome I experienced in my visit to Newport...the Government of the United States, which gives to bigotry no sanction, to persecution no assistance...May the Children of the Stock of Abraham, who dwell in this land, continue to merit and enjoy the good will of the other Inhabitants; while every one shall sit in safety under his own vine and figtree, and there shall be none to make him afraid."

**3. The Proper Perspective Concerning Israel**

**a. Attitude**

Rom. 11:17-20, 23-24-But if some of the branches were broken off, and you, being a wild olive, were grafted in among them and became partaker with them of the <sup>[h]</sup>rich root of the olive tree, <sup>18</sup> **do not be arrogant toward the branches**; but if you are arrogant, *remember that* it is not you who supports the root, but

the root *supports* you.<sup>19</sup> You will say then, “Branches were broken off so that I might be grafted in.”<sup>20</sup> Quite right, they were broken off for their unbelief, but you stand by your faith. Do not be conceited, but fear;<sup>23</sup> And they also, if they do not continue in their unbelief, will be grafted in, for God is able to graft them in again.<sup>24</sup> For if you were cut off from what is by nature a wild olive tree, and were grafted contrary to nature into a cultivated olive tree, how much more will these who are the natural *branches* be grafted into their own olive tree?

Rom. 15:26-27- For Macedonia and Achaia have been pleased to make a contribution for the poor among the [m]saints in **Jerusalem.**<sup>27</sup> Yes, they were pleased *to do so*, and they are indebted to them. **For if the Gentiles have shared in their spiritual things, they are indebted to minister to them also in material things.**

### **b. Angelic conflict**

Matt. 23:38-39- Behold, your house is being left to you desolate!<sup>39</sup> For I say to you, from now on you will not see Me until you say, ‘BLESSED IS HE WHO COMES IN THE NAME OF THE LORD!’”

### **c. Apostate condition**

Ezek. 36:24-26-For I will take you from the nations, gather you from all the lands and bring you into your own land.<sup>25</sup> Then I will sprinkle clean water on you, and you will be clean; I will cleanse you from all your filthiness and from all your idols.<sup>26</sup> Moreover, I will give you a new heart and put a new spirit within you; and I will remove the heart of stone from your flesh and give you a heart of

flesh. <sup>27</sup> I will put My Spirit within you and cause you to walk in My statutes, and you will be careful to observe My ordinances.

<sup>28</sup> You will live in the land that I gave to your forefathers; so you will be My people, and I will be your God.

Ezek 37:1-14- The hand of the LORD was upon me, and He brought me out <sup>[a]</sup>by the Spirit of the LORD and set me down in the middle of the valley; and it was full of bones. <sup>2</sup> He caused me to pass among them round about, and behold, *there were* very many on the surface of the valley; and lo, *they were* very dry. <sup>3</sup> He said to me, “Son of man, can these bones live?” And I answered, “O Lord <sup>[b]</sup>GOD, You know.” <sup>4</sup> Again He said to me, “Prophecy over these bones and say to them, ‘O dry bones, hear the word of the LORD.’” <sup>5</sup> Thus says the Lord GOD to these bones, ‘Behold, I will cause <sup>[c]</sup>breath to enter you that you may come to life. <sup>6</sup> I will put sinews on you, make flesh grow back on you, cover you with skin and put breath in you that you may come alive; and you will know that I am the LORD.’” <sup>7</sup> So I prophesied as I was commanded; and as I prophesied, there was a <sup>[d]</sup>noise, and behold, a rattling; and the bones came together, bone to its bone. <sup>8</sup> And I looked, and behold, sinews were on them, and flesh grew and skin covered them; but there was no breath in them. <sup>9</sup> Then He said to me, “Prophecy to the breath, prophecy, son of man, and say to the breath, ‘Thus says the Lord GOD, “Come from the four winds, O breath, and breathe on these slain, that they come to life.’”” <sup>10</sup> So I prophesied as He commanded me, and the breath came into them, and they came to life and stood on their feet, an exceedingly great army. <sup>11</sup> Then He said to me, “Son of man, these bones are the whole house of Israel; behold, they say, ‘Our bones are dried up and our hope has perished. We are <sup>[e]</sup>completely cut off.’” <sup>12</sup> Therefore

prophecy and say to them, “Thus says the Lord GOD, “Behold, I will open your graves and cause you to come up out of your graves, My people; and I will bring you into the land of Israel.

<sup>13</sup> Then you will know that I am the LORD, when I have opened your graves and caused you to come up out of your graves, My people. <sup>14</sup> I will put My <sup>[f]</sup>Spirit within you and you will come to life, and I will place you on your own land. Then you will know that I, the LORD, have spoken and done it,” declares the LORD.””

In a conversation on religious questions, Fredric II, King of Prussia (1740-1786) asked Joachim von Zieten, General of the Husars, whom he esteemed highly as a Christian for his plain and uncompromised views, “Give me proof for the truth of the Bible in two words!” To which Zeiten replied, “**Your majesty, the Jews!**”

#### **d. Practical considerations**

John 16:7-11- But I tell you the truth, it is to your advantage that I go away; for if I do not go away, the <sup>[c]</sup>Helper will not come to you; but if I go, I will send Him to you. <sup>8</sup> And He, when He comes, will convict the world concerning sin and righteousness and judgment; <sup>9</sup> concerning sin, because they do not believe in Me; <sup>10</sup> and concerning righteousness, because I go to the Father and you no longer see Me; <sup>11</sup> and concerning judgment, because the ruler of this world has been judged.

The website "**Middle East Facts**" puts things into proper perspective when it says:

"Unlike Islam's *Koran*, which commands Muslims to force the entire planet to submit to literal control by Islam, the Jewish

*Torah* promises the children of Israel a modest and reasonable allotment of land. Israel...is a democratic nation 1/19th the size of California, surrounded by 22 hostile Arab/Islamic dictatorships with 640 times her size, 60 times her population and ALL the oil. How dare Arab propagandists call Israel "expansionist!" And how dare anyone believe them! How can Israel, which occupies one-sixth of one percent of the lands called Arab, be responsible for the political dissatisfaction of 22 Arab countries? How can the 13 million Jews in the world (almost 5 million fewer than they were in 1939!) be blamed for the problems of the 250 million Arabs, who have brotherly ties to 1.4 billion Muslims worldwide? Israel is an oasis of Western Democracy and Judeo/Christian morality in the middle of an otherwise totalitarian Arab/Muslim Middle East. For over 55 years since she became a nation in 1948, Israel has sought peaceful coexistence with neighbors dedicated to her destruction. Thus far only Egypt and Jordan have formalized a peace treaty. In reality, these two peace treaties are questionable."

[http://www.mefacts.com/cached.asp?x\\_id=10190](http://www.mefacts.com/cached.asp?x_id=10190)

Canadian lawyer Jacques Paul **Gauthier** recently finished a twenty-year project in which this Gentile Christian researched at the University of Geneva political science department and international law school, the legal issues relating to the ownership of Israel and Jerusalem. Gauthier's PhD thesis was completed in 2007.

For example, in 1867, **Mark Twain** visited Israel. He wrote about his experiences in his book *Innocents Abroad*. In this book, he

hardly describes the vibrant and prosperous Israel of today, but rather a desolate country that was devoid of both vegetation and human population. He observed:

"..... A desolate country whose soil is rich enough, but is given over wholly to weeds... a silent mournful expanse... a desolation is here that not even imagination can grace with the pomp of life and action.... we never saw a human being on the whole route.... there was hardly a tree or shrub anywhere. Even the olive tree and the cactus, those fast friends of a worthless soil, had almost deserted the country."

Mark Twain, *The Innocents Abroad, Complete*, 1st ed. (A Public Domain Book, 1869), 267, 285, 302. These quotes can be found in chapters 47, 49, 52.

Joel 3:2-I will gather all the nations And bring them down to the valley of <sup>[b]</sup>Jehoshaphat. Then I will enter into judgment with them there On behalf of My people and My inheritance, Israel, Whom they have scattered among the nations; And **they have divided up My land.**

Num. 6:24-26-The LORD bless you, and keep you;<sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to you; <sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.'